देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर

विश्वविद्यालय भवन,
इन्दौर–452001

क्रमांकः अ.ज.जा. / 2019 / 62.
दिनांकः– 26 OCT 2019

प्रति,

समस्त विभागाध्यक्ष / निदेशक / अध्ययनशाओं / संस्थान,
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

विषय :– MPTAAS अंतर्गत पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की स्वीकृति एंव भुगतान हेतु बैंक खाते को NPCI से डीबीटी मोड़ पर आधार आधारित लिंक कराने के संबंध में।

संदर्भ :– पत्र क्रमांक 879 / 313 / आउशि / छा. / 19, भोपाल दिनांक 25 / 10 / 2019

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख्य है कि शैक्षणिक सत्र वर्ष 2018–19 से आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीन प्रकरणों की स्वीकृति एवं भुगतान आदिम जाति कल्याण विभाग के द्वारा निर्मित पोर्टल **MPTAAS** के **PMS** मॉड्यूल अंतर्गत किया जा रहा है। समस्त विभागों / अध्ययनशालाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु अपने बैंक खाते को **DBT** मोड़ पर लिंक करा दिया गया है, फिर भी विद्यार्थी की छात्रवृत्ति स्वीकृत / भुगतान नहीं हो पा रही है।

अतः सूचित किया जाता है कि उक्त संबंध में समस्त विभागाध्यक्ष / निदेशक / अध्ययनशाओं / संस्थान, के अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु अपने बैंक खाते को **DBT** मोड़ के लिंक पर विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति स्वीकृत / भुगतान होने की प्रकिया सुनिश्चित करें तथा एक्सेल शीट पर जानकारी तैयार कर आयुक्त, उच्च शिक्षा, भोपाल को ई–मेल **helpdesk.tribal@mp.gov.in** पर शीघ्र भेजे एवं प्रतिलिपि कुलसचिव कार्यालय को उक्त जानकारियों से भी अवगत करायें।

संलग्नः– उपरोक्तानुसार।

आदेशानुसार

कुलसचिव
दिनांकः– 26 OCT 2019

पृष्ठांकन क्र.अ.ज.जा / 2019 / 62.
प्रतिलिपि :–

1. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, आयुक्त कार्यालय, उच्च शिक्षा, म.प्र. शासन, सतपुड़ा भवन, भोपाल की ओर सूचनार्थ हेतु प्रेषित।
2. अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, इन्दौर संभाग, मोती तबेला, इन्दौर की ओर सूचनार्थ।
3. कुलपतिजी के निज सहायक की ओर सूचनार्थ हेतु प्रस्तुत।

उप–कुलसचिव(अ.ज.जा)

(1/4)

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन,
सतपुडा भवन, भोपाल–462004

क्रमांक 879 /313/ आउशि / छा. / 19 भोपाल, दिनांक 25.10.2019

प्रति,

1. कुल सचिव,
समस्त विश्वविद्यालय, म.प्र.
2. प्राचार्य,
समस्त शासकीय / अशासकीय / अनु. प्राप्त अशा. महाविद्यालय, म.प्र.।

विषयः– MPTAAS अन्तर्गत पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की स्वीकृति एवं भुगतान हेतु बैंक खाते को NPCI से DBT मोड पर आधार आधारित लिंक कराने के संबंध में।

संदर्भः– आयुक्त आदिवासी विकास म.प्र. भोपाल का पत्र पीएमएस / 2019 / 87 / 28579 दिनांक 25.10.19

शैक्षणिक सत्र वर्ष 2018–19 से आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीन प्रकरणों की स्वीकृति एवं भुगतान आदिम जाति कल्याण विभाग के द्वारा निर्मित पोर्टल MPTAAS के PMS मॉड्यूल अन्तर्गत किया जा रहा है। प्रायः कॉलेज प्राचार्यो द्वारा अवगत कराया जाता रहा है कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु अपने बैंक खाते को DBT मोड पर लिंक करा दिया गया है, फिर भी विद्यार्थी की छात्रवृत्ति स्वीकृत / भुगतान नहीं हो पा रही है।

इस संबंध में विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि MPTAAS अन्तर्गत विद्यार्थी के बैंक खाते को मात्र आधार आधारित लिंक कराया जाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस हेतु बैंक खाते को NPCI से भी लिंक कराया जाना होता है, जिसके लिए बैंक द्वारा निर्धारित कनसेंट फार्म आपकी सुविधा हेतु प्रेषित किया जा रहा है, कृपया इन विद्यार्थियों से सम्पर्क कर निर्धारित कनसेंट फार्म पूर्ण कराकर बैंक को दें ताकि विद्यार्थियों के बैंक खाते, आधार एवं NPCI से लिंक हो सके, अभी तक NPCI Inactive बैंक A/C के विद्यार्थियों की सूची एक्सेल फाइल में संलग्न कर आपको प्रेषित की जा रही है।

इसके अतिरिक्त, अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे विद्यार्थी, जो कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु MPTAAS पर आवेदन नहीं कर पा रहे है अथवा आवेदन कर दिया है किन्तु छात्रवृत्ति स्वीकृत / भुगतान नहीं हो पा रही है, उनके लिए संलग्न निर्धारित फार्मेट में एक्सेल फाईल में helpdesk.tribal@mp.gov.in पर ई–मेल के माध्यम से समस्या प्रेषित करें, ताकि प्रकरण का समाधान किया जा सके।

336
25/10/19

"अपर आयुक्त, उच्च शिक्षा द्वारा अनुमोदित"

25/10/19

(डॉ. धीरेन्द्र शुक्ल)
विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

पृ.क्रमांक 880 /313/ आउशि / छा. / 19 भोपाल, दिनांक 25.10.2019

प्रतिलिपिः–

1. निज सहायक, प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल (म0प्र0)।
2. निज सहायक, आयुक्त, आदिवासी विकास, म.प्र. भोपाल(म0प्र0)।
3. निज सहायक, आयुक्त, उच्च शिक्षा, भोपाल (म0प्र0)।
4. निज सहायक, अपर आयुक्त, उच्च शिक्षा, भोपाल (म0प्र0)।
5. समस्त, कलेक्टर, मध्यप्रदेश।
6. समस्त, क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश।
7. समस्त, प्राचार्य अग्रणी महाविद्यालय, मध्यप्रदेश।
8. वि.क.अ. उच्च शिक्षा (आई.टी. सेल), भोपाल की ओर विभागीय "वैबसाईट"पर अपलोड कराने हेतु।

———की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

MPTAAS PROBLEM FORMAT

S.n	District Name	Profile ID	Admission ID/Counselling I.D./Reg.No.	Institue MPTAAS Code	Institute Name	Course MPTAAS Code	Course Name	Branch MPTAAS Code	Branch Name	Deparment DHE/DTE/School Edu./MPPUR	Student Name	Error Messgae in system
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

(हस्ताक्षर) कालेज प्राचार्य/
जिला- अधिकारी

2/4

1

291

APPLICATION FOR LINKING/ SEEDING AADHAR NUMBER AND RECEIVING DBT BENEFITS INTO BANK ACCOUNT-(NPCI MAPPING)*

Date:

To
Branch Manager,
..................Branch
..................Bank

Dear Sir,
Account No. ______________ in A/c Name ______________
Linking / Seeding of Aadhaar in NPCI-Mapping for Receiving Direct Benefits

I am maintaining a Bank account No. ____________ with your Branch.

2. I submit my Aadhaar number and voluntarily give my consent to:
- Use my Aadhaar Details to authenticate me from UIDAI.
- Use my Mobile Number mentioned below for sending SMS Alerts to me.
- Link the Aadhaar Number to all my existing/new/future accounts and customer profile (CIF) with your Bank.

(Signature/Thumb Impression of customer)

OPTION FOR RECEIVING DBT BENEFITS (TICK ONE)

- I wish to seed my account No. ____________ with NPCI mapper to enable me to receive Direct Benefit Transfer (DBT) including LPG Subsidy from Govt. of India (GOI) in my above account. I understand that if more than one Benefit transfer is due to me, I will receive all the benefit transfers in the same account.(for customer who have not so far seeded account with NPCI Mapper)
- I already have an account with ____________ (name of Bank) having IIN Number** ________, and seeded with NPCI Mapper for receiving DBT from GOI. **I request you to change my NPCI mapping(DBT Benefit Account)** to my account with your Bank.
- I already have an account with another bank ____________ (name of Bank) having IIN Number** ________, and seeded with NPCI Mapper for receiving DBT from GOI. **I do not want to change my NPCI mapping(DBT Benefit Account)** from the existing Bank. **(I will not be getting DBT).**
- I do not wish to seed my accounts from your Bank with NPCI Mapper

3. I have been explained about the nature of information that may be shared upon authentication. I have been given to understand that my *information submitted to the bank herewith shall not be used for any purpose other than mentioned above, or as per requirements of law.*

4. I hereby declare that all the above information voluntarily furnished by me is true, correct and complete.

Yours faithfully

(Signature/Thumb Impression of customer)

Name :

Mobile No.:

Email:

Encl: Copy of Aadhaar

[if consent sent through BC/BDO/VO]

- I hereby authorise the Banking Correspondent ....
- I hereby authorise the Sarpanch./ V.O./B.D.O./ ....

to submit the above consent letter to the bank.

(Signature/Thumb Impression of Customer)

*NPCI Mapping : Mapping is a process of associating a Bank with Aadhaar number which is facilitated by NPCI for Direct Benefit Transfer to the respective Bank who have linked the Aadhaar Number to a specific Bank account for receiving Direct Benefits to which customer has given the consent.

Aadhaar seeding process

Seeding is necessitated for receiving Direct Benefit Transfers (DBT) provided by Government schemes. The following is the process flow of Aadhaar seeding

1. Customer to visit the bank branch where he / she is holding an account and submit the duly filled consent form – Annexure I
2. The bank officials after verifying the details and documents provided (as may be required) and authenticity of the customer based on the signature will accept Aadhaar seeding consent form and provide an acknowledgement to the customer.
3. The branch will then link the Aadhaar number to the customer's account and also in NPCI mapper.
4. Once this activity is completed and Aadhaar number will reflect in NPCI mapper.

Role of the customer:

1. Submit the consent form with complete details either in physical or electronic form as per the facility provided by his / her bank.
2. In case of moving Aadhaar number from one bank to another bank, the customer should provide the name of the bank from which the Aadhaar is being moved.
3. In case of physical form, the consent form should be duly signed as per the bank records.
4. After seeding is completed the customer may approach their Gas service provider (Oil Marketing Company) for the pending subsidy amount.
5. For non-receipt of subsidies customer to approach respective OMC's through their toll free number : 1800 2333 555

Role of the Bank / Branch:

1. Verifying the completeness of the consent form, checking the documentation and authenticating the customer's signature.
2. After the officials are satisfied with the documentation they should carry out the following activities
    a. Linking the Aadhaar number to the bank account (in CBS)
    b. Updating NPCI mapper

    Note: By linking the Aadhaar number to the account the branch is not updating the mapper. The mapper update process has to be followed by their central team or IT division as the case may be.

3. After the mapper files are uploaded the response files received from NPCI have to be verified.
4. In case of failure in updating any Aadhaar number/s then necessary corrective action has to be taken and CBS also should be updated accordingly.
5. Customer query / complaint handling
    1. Branches should understand that if Aadhaar number is not updated in NPCI mapper the action is purely lies with the bank only. The customer should not be told that NPCI has not updated the Aadhaar number.
    2. Aadhaar number being active in bank's CBS does not mean that mapper file is updated, the branch should not show CBS screen or provide screen shot to the customer confirming seeding.
    3. If the customer complaints, the branch should approach their internal team handling Aadhaar mapping and ascertain the reason for non-updating the Aadhaar in NPCI mapper.
    4. After ascertaining the root cause bank should take corrective action and redress the grievance of the customer.

Responsibility of NPCI:

1. Mapper is a platform provided by NPCI for the banks to update or remove Aadhaar numbers as per their customer's request.
2. The activity of updating or removing an Aadhaar number from mapper can be performed only by the banks.
3. NPCI on its own does not update the mapper records.
4. In case customer approaches NPCI for grievance redressal, NPCI will have to reach out to the teams concerned in banks for necessary action